हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
सामान्य प्रशासन शाखा

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद की वर्ष, 2013 की तृतीय नियमित बैठक की कार्यवाही जो दिनांक 28 सितम्बर, 2013 को दोपहर 12–00 बजे आचार्य ए0डी0एन0 वाजपेयी, कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई । बैठक में निम्नलिखित सम्माननीय सदस्य उपस्थित हुए :–

1– डॉ0 दिनकर बुराठोकी
2– डॉ0 एस0एस0 कौशल
3– प्रो0 डी0सी0 गौतम
4– श्री इन्द्रदत्त लखनपाल
5– डॉ0(श्रीमती) उमा वर्मा
6– प्रो0 सुरेश कुमार
7– श्री चन्द्र शेखर
8– चौ0 वरयाम सिंह बैन्स
9– श्री हरीश जनारथा
10– डॉ0 के0पी0 ठाकुर
11– प्रो0 एम0एल0 झारटा

–कुलसचिव
सदस्य–सचिव

मद संख्य–1 : कुलपति महोदय का वक्तव्य ।

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की वर्ष 2013 की तीसरी नियमित बैठक में मैं आप सभी सम्माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत् एवं अभिनन्दन् करता हूँ।

मैं कार्यकारिणी परिषद् के नए सदस्यों आदरणीय श्री इन्द्र दत्त लखनपाल, माननीय मुख्य संसदीय सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, डॉ. एस.एस. कौशल, अधिष्ठाता आयुर्विज्ञान एवं प्राचार्य इन्दिरा गांधी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, शिमला एवं कार्यकारिणी परिषद् के सदस्य के रूप में गैर शिक्षक कर्मचारी चुनाव के क्षेत्र से चौथी बार निर्वाचित होकर आए चौधरी वरयाम सिंह बैंस का विशेष रूप से स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूं। वहीं कार्यकारिणी परिषद् के सदस्य रहे अधिष्ठाता विधि एवं विभागाध्यक्ष विधि आचार्य कैलाश चन्द ठाकुर, गैर शिक्षक कर्मचारी चुनाव के क्षेत्र से सदस्य रहे श्री देवी राम वर्मा का उनके कर्मठ सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हूं।

इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय में निम्नलिखित कार्यक्रम, बैठकें, संगोष्ठियां और कार्यशालाऐं आयोजित की गईं:–

1. दिनांक 23.08.2013 को विश्वविद्यालय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान का वार्षिक समारोह आयोजित किया गया।

2. दिनांक 24.08.2013 को सैन्ट बीड्स महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह पर मुझे मुख्य अतिथि के रूप में आमन्त्रित किया गया।

3. दिनांक 26.08.2013 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कोर्ट की बैठक आयोजित की गई ।

4. दिनांक 27.08.2013 को विश्वविद्यालय शैक्षणिक एवं योजना बोर्ड की बैठक आयोजित की गई जिसमें कई महत्वपुर्ण निर्णय लिए गए।

5. दिनांक 29.08.2013 को शोध प्रणाली विषय पर संगीत विभाग एवं सपन्दन संस्था द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई कार्यशाला सम्पन्न हुई जिसमें संगीत विषय पर होने वाले शोध कार्यों में नई विधाओं पर चर्चा की गई।

6. दिनांक 04.09.2013 को संस्कृत विभाग में राष्ट्रीय संस्कृत दिवस के तत्वावधान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

7. दिनांक 05.09.2013 को सभागार में अध्यापक दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कई अध्यापकों ने अपने अनुभव सांझा किए। इससे पूर्व एम.बी.ए. विभाग में तथा एकीकृत हिमालयन अध्ययन संस्थान में भी अध्यापक दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

8. दिनांक 06.09.2013 को विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र की परामर्श दात्री समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित छात्रों के विषय में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

9. दिनांक 07.09.2013 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज में अन्तर्विभागीय पुनःश्चर्या कार्यक्रम के समापन अवसर पर विशेष व्याख्यान दिया।

10. दिनांक 09.09.2013 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज में जैव–विज्ञान विषर्य में पुनःश्चर्या कार्यक्रम आरम्भ हुआ।

11. दिनांक 10.09.2013 को विश्वविद्यालय से सेवानिवृत हुए प्राध्यापकों की पैन्शन और अन्य मांगों से सम्बन्धित एक बैठक सेवानिवृत प्राध्यापकों के प्रतिनिधि तथा कुलसचिव और वित्त अधिकारी के साथ आयोजित की गई।

12. दिनांक 13,14 व 15.09.2013 को लखनऊ में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन) मानित विश्वविद्यालय द्वारा ''आधुनिक युग में संस्कृत का महत्व'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

13. दिनांक 16.09.2013 को विश्वविद्यालय की महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र की परामर्श दात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

14. दिनांक 16.09.2013 को सांईस हॉल में हिन्दी दिवस के उपलक्ष में हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम हिन्दी उत्सव का आयोजन किया गया।

15. दिनांक 18.09.2013 को विश्वविद्यालय अकादमिक स्टाफ कॉलेज में ''अध्यात्म के विभिन्न आयाम'' विषयों पर विशेष व्याख्यान दिया।

16. दिनांक 21.09.2013 को डॉ.डी.वाई.पाटिल शिक्षण संस्थान, कोल्हापुर में आयोजित की गई ''पांचवी अन्तर्राष्ट्रीय व्याख्यान माला'' के तत्वावधान में विशेष व्याख्यान दिया।

17. दिनांक 23.09.2013 को बिहार अर्थशास्त्र परिषद् द्वारा आयोजित किए जा रहे वार्षिक सम्मेलन के समापन अवसर पर मुझे विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुआ।

18. दिनांक 27.08.2013 को एम.टी.ए. विभाग द्वारा विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर होटल पीटर हॉफ में पर्यटन विभाग के सौजन्य से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश की सिंचाई, जन–स्वास्थय एवं बागवानी मन्त्री श्रीमती विद्या स्टोक्स ने की।

19. दिनांक 28.09.2013 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज में विशेष व्याख्यान दिया।

सभी सम्माननीय सदस्यों से आज के महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर उनकी राय व निर्णय की अपेक्षा रखता हूं।

अब मैं कुलसचिव से निवेदन करूंगा कि आज के लिए प्रस्तावित मदों को परिषद् के सम्मुख चर्चा के लिए प्रस्तुत करें।

मद संख्या–2: कार्यकारिणी परिषद की पिछली बैठकं दिनांक 22–8–2013 में लिए गये निर्णयों का पुष्टिकरण ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने पिछली बैठक दिनांक 22–8–2013 में लिए गये निर्णयों का पुष्टिकरण किया ।

मद संख्या–3: कार्यकारिणी परिषद की पिछली बैठकों दिनांक 12–7–2013 तथा 22–8–2013 में लिए गये निर्णयों पर की गई कार्रवाई का विवरण ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने पिछली बैठकों दिनांक 12–7–2013 तथा 22–8–2013 में लिए गये निर्णयों निम्नलिखित टिप्पणी/संशोधन के साथ अनुमोदित किया :

दिनांक 27–4–2013:

(मद संख्या–3(27): कार्यकारिणी परिषद ने निर्णय लिया कि राजकीय महाविद्यालय, जोगिन्द्रनगर में B.Pharma (Ayurveda) के द्वितीय सत्र के विद्यार्थियों को जो स्ट्रे केस में परीक्षा में बैठे थे उन्हें जब तक अध्यादेश संशोधन में माननीय कुलाधिपति से अनुमति नहीं आ जाती तब तक प्रोविजनल आधार पर अगले सत्रों में कैरी ओवर सिस्टम के अंतर्गत बैठने दिया जाये । जिस पर कार्यकारिणी परिषद ने छात्रों के भविष्य को देखते हुए अपनी स्वीकृति प्रदान की ।

दिनांक 12–7–2013:

मद संख्या–2: सम्माननीय सदस्य डॉ0 के0पी0 ठाकुर ने कहा कि पुराने स्वास्थ्य केन्द्र के समीप दुकानों के किराए के साथ–साथ जैसा कि कार्यकारिणी परिषद ने दिनांक 12–7–2013 को हुई बैठक में निर्णय लिया था विश्वविद्यालय परिसर

में स्थित अन्य दुकानों का किराया और यह किस उद्देश्य के लिए आबंटित कर रखी है का परीक्षण कर इसे परिषद के समक्ष रखा जाये ।

दिनांक 22–8–2013:

(अन्य मद-IV): सम्माननीय सदस्य डॉ0 के0पी0 ठाकुर ने कहा कि जिन सहायक आचार्यों को बिना पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त किये सह–आचार्य के पद पर पदोन्नत किया गया है उसी आधार पर विश्वविद्यालय में कार्यरत अन्य सहायक आचार्यों को भी सह–आचार्य के पद पर पदोन्नत किया जाए । जिसे कार्यकारिणी परिषद ने अपनी स्वीकृति प्रदान की और भविष्य में भी ऐसे मामलों में पदोन्नति का ध्यान रखा जाये ।

डॉ0 के0पी0 ठाकुर ने कहा कि कार्यकारिणी परिषद के सभी सदस्यों को अधिनियम/परिनियम की संशोधित प्रति प्रदान की जाए ।

मद संख्या–4: कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम 12–C(7) के अन्तर्गत लिए गए निर्णय को कार्यकारिणी परिषद के समक्ष प्रस्तुत करना ।

.....

कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम 12–C(7) में निहित शक्तियों के अन्तर्गत कोई निर्णय नहीं लिया गया ।

मद संख्या–5: कार्यकारिणी परिषद के माननीय सदस्यों से यदि कोई मद प्राप्त हुई है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद के माननीय सदस्यों से निर्धारित समय के भीतर कोई मद प्राप्त नहीं हुई है ।

मद संख्या–6: श्री देवीन्द्र कुमार सुपुत्र स्व. श्री भूप सिंह, बी.टैक छात्र रोल नं0–3320 (Exam. Roll No.61357) द्वारा शिक्षा शुल्क माफ करने का मामला कार्यकारिणी परिषद के समक्ष रखना ।

.....

स्थगित । परिषद ने इस प्रकार के मामलों को निपटाने के लिए छात्र कल्याण निधि के सृजन एवं परीक्षण करने हेतु निम्नलिखित सदस्यों की समिति का गठन किया:

1– अधिष्ठाता अध्ययन
2– अधिष्ठाता छात्र कल्याण
3– आचार्य ओ0पी0 चौहान, सचिव कुलपति

4– वित्त अधिकारी

मद संख्या–7: एम.एल.एस.एम. महाविद्यालय, सुन्दरनगर जिला मण्डी में एम.एस.सी. भौतिकी में अंतिम तिथि समाप्त होने के उपरान्त प्रवेश देने हेतु मामला कार्यकारिणी परिषद के समक्ष अवलोकनार्थ व अनुमोदनार्थ हेतु प्रस्तुत है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने एम.एल.एस.एम. महाविद्यालय, सुन्दरनगर में कुमारी मोनिका कटोच की एम.एस.सी. भौतिकी में अंतिम तिथि समाप्त होने के उपरान्त प्रवेश देने की अनुमति इस शर्त के साथ अनुमोदित की कि यदि वह न्यूनतम निर्धारित पात्रता की शर्त को पूर्ण करती है ।

मद संख्या–8: कार्यकारिणी परिषद में स्वीकृति हेतु प्रेषितः विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के एम.बी.बी.एस. के बाल चिकित्सा (Pediatrics) विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए श्रीमती जगदम्बा देवी सूद स्मारक स्वर्ण पदक प्रारम्भ करने हेतु ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के एम.बी.बी.एस. के बाल चिकित्सा (Pediatrics) विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए श्रीमती जगदम्बा देवी सूद स्मारक स्वर्ण पदक प्रारम्भ करने को अपनी स्वीकृति प्रदान की ।

मद संख्या–9: माननीय कुलपति द्वारा गठित पैन्शन निधि को सुदृढ़ करने हेतु अधिष्ठाता अध्ययन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समिति की बैठक की कार्यवाही को विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद की बैठक के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्ताव ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने पैन्शन निधि को सुदृढ़ करने हेतु गठित समित की सिफारिशों को सैद्धान्तिक रूप में अपनी स्वीकृति प्रदान की । तथापि परिषद ने यह भी निर्णय लिया कि सिफारिशों को लागू करने से पहले वित्त अधिकारी/अधिकारियों के सुझाावों सहित इसे परिषद की अगली बैठक में प्रस्तुत किया जाये ।

मद संख्या–10: कार्यकारिणी परिषद की बैठक 29–3–2012 की मद संख्या–19 के अन्तर्गत एम0पी0एड0 के विषय में लिए गए निर्णय के आधार पर शैक्षणिक परिषद की सिफारिशों को कार्यकारिणी परिषद के समक्ष रखने बारे ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने शैक्षणिक परिषद की सिफारिशों और एन.सी.टी.ई. के संशोधित नियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में एम.पी.एड. पाठ्यक्रम सत्र 2014–2015 से प्रारम्भ करने को अपनी स्वीकृति प्रदान की । परिषद ने यह भी निर्णय लिया कि एम.ए. शारीरिक शिक्षा का पाठ्यक्रम पहले की भांति ही चलता रहेगा ।

मद संख्या–11: कार्यकारिणी परिषद में रूसा के अन्तर्गत शुल्क निर्धारण एवं खर्च के अनुमोदन हेतु मद ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने स्नातक स्तर की कक्षाओं का परीक्षा शुल्क 400/– रूपये प्रति सत्र (समैस्टर) करने और इसमें प्रति वर्ष 10 प्रतिशत बढ़ौतरी (न्यूनतम 50/–रूपये) की दर से बृद्धि करने को अपनी स्वीकृति प्रदान की ।

मद संख्या–12: कार्यकारिणी परिषद के समक्ष अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र के रिकार्ड को कम्प्यूट्रीकृत करने के लिए दो (2) सिस्टम एनालिस्ट और आठ (8) डाटा एंट्री ऑपरेटर को एक वर्ष के लिए केन्द्र के छात्र निधि मद से आउटसोर्स करने बारे ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र के रिकार्ड को कम्प्यूट्रीकृत करने के लिए दो (2) सिस्टम एनालिस्ट और आठ (8) डाटा एंट्री ऑपरेटर को एक वर्ष के लिए केन्द्र के छात्र निधि मद से आउटसोर्स को अनुमोदित किया तथापि परिषद ने यह भी निर्णय लिया कि रिकार्ड को कम्प्यूट्रीकृत करने का कार्य राष्ट्रीय इलैक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT) को ही न देकर, हिमाचल प्रदेश द्वारा सम्बद्धता प्राप्त किसी और एजैंसी को भी दिया जाये । इस विषय पर अंतिम निर्णय लेने से पहले सम्माननीय सदस्य कार्यकारिणी परिषद श्री हरीश जनार्था जी से सलाह ली जाए।

मद संख्या–13: कृषि मूल्यांकन योजना को विश्वविद्यालय में विलय करने हेतु मामला कार्यकारिणी परिषद की अनुमति हेतु प्रस्तुत है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने कृषि मूल्यांकन योजना को विश्वविद्यालय में विलय का मामला विभिन्न प्रोजैक्टों/योजनाओं में कार्यरत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के नियमितीकरण हेतु गठित जनारथा समिति को परीक्षण हेतु प्रेषित करने का निर्णय लिया ।

मद संख्या–14: कृषि–अर्थ अनुसंधान केन्द्र हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला–5 के उप–निदेशक/सह–आचार्य व अनुसंधान अधिकारी/व्याख्याता का वर्गीकरण शिक्षक वर्ग में करने के लिए कार्यकारिणी परिषद की स्वीकृति हेतु ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने कृषि–अर्थ अनुसंधान केन्द्र, शिमला के उप–निदेशक/सह –आचार्य व अनुसंधान अधिकारी/व्याख्याता का वर्गीकरण शिक्षक वर्ग में करने को इस शर्त के साथ अनुमोदित किया कि यदि वे हिमाचल प्रदेश सरकार व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित शैक्षणिक योग्यता एवं नियमों को पूर्ण करते हों, तथा इनकी वरीयता सूची अलग रहेगी ।

मद संख्या–15: तृतीय श्रेणी में कार्यरत विभिन्न तकनीकी संवर्ग के कर्मचारियों द्वारा पद को लिपिक के संवर्ग में परिवर्तित करने बारे प्राप्त प्रतिवेदनों का परीक्षण/अनुशंसा करने हेतु अधिसूचना संख्याः7–6/88–हि0प्र0वि0 (स्था0)–खण्ड–4 दिनांक 4–4–2013 द्वारा गठित समिति की कार्यवाही/सिफारिशें कार्यकारिणी परिषद के समक्ष अवलोकनार्थ, विचारार्थ एवम् आगामी आदेशार्थ प्रस्तुत ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने तृतीय श्रेणी में कार्यरत तकनीकी संवर्ग के कर्मचारियों के लिपिक के संवर्ग में परिवर्तित करने हेतु प्राप्त प्रतिवेदनों एवं इस सम्बन्ध में गठित समिति की सिफारिशों को सैद्धान्तिक तौर पर स्वीकृति प्रदान की। परिषद ने यह भी निर्णय लिया कि इन कर्मचारियों के लिपिक संवर्ग में परिवर्तित करने हेतु प्रकारता (Modalities) जनारथा समिति द्वारा निर्धारित की जाएगी।

मद संख्या–16: कार्यकारिणी परिषद के समक्ष इसके द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट/सिफारिशें रखने हेतु मामला प्रस्तुत है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने मद को स्थगित रखने का निर्णय लिया क्योंकि एकीकृत हिमालयन अध्ययन संस्थान (IIHS) मामले में गठित समिति के अध्यक्ष श्री बम्बर ठाकुर जी बैठक में उपस्थित नहीं है अतः मामले को वांछित सारी औपचारिकताओं व विधिक पहलुओं के साथ अगली बैठक में परिषद के समक्ष रखा जाये ।

मद संख्या–17: कार्यकारिणी परिषद के समक्ष विश्वविद्यालय के अध्यादेश में संशोधन संबधी मामला अनुबन्धो सहित विचार विमर्श एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने शैक्षणिक परिषद की दिनांक 5–4–2013 को हुई बैठक में जैव विज्ञान संकाय द्वारा प्रस्तावित नये पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने व अध्यादेश संशोधन को **संलग्नक** के अनुरूप अनुमोदित किया ।

मद संख्या–18: अधिसूचना संख्याः1–78/94–हि0प्र0वि0(सा0) भाग–5 दिनांक 8–4–2013 द्वारा गठित समिति की कार्यवाही/सिफारिशें कार्यकारिणी परिषद के समक्ष अवलोकनार्थ, विचारार्थ एवम् आगामी आदेशार्थ प्रस्तुत करने बारे ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने मामले में गठित समिति की सिफारिशों को **संलग्नक** के अनुरूप अनुमोदित किया । परिषद ने यह भी निर्णय लिया कि भविष्य में ऐसे मामले प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अंतर्गत इस समिति द्वारा निपटाये जायें । परिषद ने इस महत्वूपर्ण कार्य को निपटाने के लिए समिति के अध्यक्ष श्री हरीश जनारथा का धन्यवाद किया ।

मद संख्या–19: अधिसूचना संख्याः9–8/88–हि0प्र0वि0(स्था0)खण्ड–5 दिनांक 24–4–2013 के अन्तर्गत गठित समिति की बैठक दिनांक 19–9–2013 की कार्यवाही/सिफारिशें कार्यकारिणी परिषद के समक्ष अवलोकनार्थ, विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ हेतु ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने परीक्षा शाखा के कम्प्यूटर सैन्टर में पारिश्रमिक आधार पर कार्यरत प्रविष्टीकर्ताओं की सेवाओं को 89 दिनों के आधार पर दैनिक वेतन भोगी के पद पर प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप करने को अपनी स्वीकृति प्रदान की ।

मद संख्या–20: स्वर्गीय श्री अमन सत्य काचरू रैगिंग मामले में संलिप्त पाए गए चारों दोषी छात्रों को राज्य सरकार के निर्देशानुसार एम.बी.बी.एस. कोर्स को पूर्ण करने हेतु मामला कार्यकारिणी परिषद के समक्ष विचारार्थ एवं आगामी आदेशों हेतु प्रस्तुत है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने स्व0 श्री अमन सत्य काचरू मामले में माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय को ध्यान में रखते हुए रैंगिग में संलिप्त पाए गए चारों दोषी छात्रों को एम0बी0बी0एस0 कोर्स को जिस सत्र से उन्होंने अध्ययन छोड़ा था उसी सत्र से प्रवेश/अध्ययन पुनः शुरू करने को अपनी स्वीकृति प्रदान की ।

अन्य मदें :

प्रो0 सुरेश कुमार

सम्माननीय सदस्य प्रो0 सुरेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में चलाये जा रहे होटल मैनेजमैंट (बी.एच.एम.)पाठ्यक्रम में कोई नियमित शिक्षक नहीं है और जो शिक्षक अतिथि संकाय में अध्ययन के लिए बुलाये जाते हैं वे विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित न्यूनतम राशि 21,600/– पर अध्यापन कार्य करने के लिए सहमत नहीं हो रहे हैं अतः इनका न्यूनतम पारिश्रमिक बढ़ाया जाये । जिस पर परिषद ने चर्चा के उपरान्त होटल मैनेजमैंट पाठ्यक्रम में अतिथि संकाय का न्यूनतम पारिश्रमिक 30,000/– करने के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की ।

श्री चन्द्र शेखर

सम्माननीय सदस्य श्री चन्द्र शेखर ने कहा कि उनके पास कई छात्रों के आवेदन प्राप्त हुए हैं जिसमें उन्होंने वर्ष 1990 और उसके बाद स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त छात्रों को 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करने व श्रेणी सुधार के लिए दो विशेष अवसर प्रदान करने का अनुरोध किया है । जिस पर परिषद ने विचार–विमर्श के उपरान्त वर्ष 1990 और उसके बाद स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त कर चुके छात्रों को 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करने व श्रेणी सुधार के लिए नये पाठ्यक्रम के अंतर्गत दो विशेष अवसर नवम्बर, 2013 व जून, 2014 में रूपये 5,000/– प्रति सत्र शुल्क के साथ अनुमोदित किया ।

श्री शेखर ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय के निर्माण मण्डल में कार्यरत तकनीकी कर्मचारियों उनके अधीन चल रहे कार्यों व वेतन पर हो रहे व्यय का पूर्ण व्यौरा तथ्यों सहित कार्यकारिणी परिषद की अगली बैठक में प्रस्तुत किया जाये । जिस पर चौ0 वरयाम सिंह बैन्स ने कहा कि विश्वविद्यालय में चल रहे निर्माण कार्य क्यों पूरे नहीं हो रहे हैं उनका पूर्ण विवरण भी परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाये । चौ0 वरयाम सिंह बैन्स ने यह भी कहा कि गैर–शिक्षक कर्मचारियों के आवास निर्माण कार्य रूका पड़ा है जबकि प्रदेश सरकार द्वारा इसके लिए एक करोड़ रूपये की राशि प्रदान की है ।

श्री हरीश जनारथा

सम्माननीय सदस्य श्री हरीश जनारथा ने कहा कि विश्वविद्यालय विधिक अध्ययन संस्थान (UILS) में अनुबन्ध आधार पर कार्यरत शिक्षकों को क्षेत्रीय केन्द्र, धर्मशाला में कार्यरत सहायक आचार्य डॉ0 (सुश्री)डेजी वर्मा व डॉ0 संजीव कुमार बरागटा के समान नियमितीकरण करने

की प्रक्रिया शुरू की जाए। जिस पर परिषद ने छानबीन समिति के अनुमोदन के पश्चात् प्रदेश सरकार द्वारा अनुबन्ध के लिए निर्धारित मापदण्डों के अनुसार नियमितीकरण शुरू करने की प्रक्रिया हेतु अनुमोदित किया ।

सम्माननीय सदस्य श्री जनारथा ने यह भी कहा कि यू.आई.आई.टी. में स्वयं–पोषित योजना के अंतर्गत अध्यापन कार्य कर रहे सहायक आचार्यों को नियमित वेतनमान प्रदान करने हेतु वित्त समिति एवं कार्यकारिणी परिषद द्वारा पारित निर्णय लागू नहीं किया गया है। जिस पर परिषद ने विचार–विमर्श के पश्चात् यह निर्णय लिया कि यू.आई.आई.टी. में अध्यापन कार्य कर रहे सहायक आचार्यों को स्वयं–पोषित योजना के अंतर्गत नियमित वेतनमान एवं पदो ंके साथ नियमित किया जाए ।

श्री जनारथा ने यह भी कहा कि उनके पास श्री तारा चन्द, सुरक्षा सुपरवाईजर का प्रतिवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें श्री तारा दत्त ने उन्हें 25–7–1989 के स्थान पर 25–3–1987 से वरीयता देने का आग्रह किया है । जिस पर परिषद ने निर्णय लिया कि श्री तारा चन्द की वरीयता के मामले का परीक्षण कर इसका निपटारा किया जाये ।

चौधरी बरयाम सिंह बैन्स

सम्माननीय सदस्य चौ0 वरयाम सिंह बैन्स ने कहा कि विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी को विश्वविद्यालय की वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा जाये जिसमें वर्तमान वित्त स्थिति एवं लम्बित देनदारियों का पूर्ण विवरण शामिल हो । उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में हर महीने हो रही सेवानिवृत्ति से विभिन्न विभागों/कार्यालयों/शाखाओं की कर्मचारियों की संख्या कम होती जा रही है जिसके कारण विश्वविद्यालय का काम सुचारू रूप से चलाने में बहुत कठिनाई हो रही है अतः उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में सृजित, स्वीकृत व रिक्त पदों का श्रेणी–बार ब्यौरा परिषद के समक्ष रखा जाये। श्री बैन्स ने कहा कि विश्वविद्यालय में 2 उप कुलसचिवों, 4 सहायक कुलसचिवों 13 अनुभाग अधिकारियों, 20 अधीक्षकों एवं 7 निजी स्टाफ की क्रमोन्नति जो पिछले काफी समय से लम्बित है के आदेश हेतु भरसक प्रयास किये जायें ।

चौ0 बैन्स ने परिषद को अवगत करवाया कि प्रदेश सरकार में पिछले दिनों सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग व विद्युत निगम में पदोन्नतियां/क्रमोन्नतियां की गई हैं उसी आधार पर विश्वविद्यालय में भी पदोन्नतियां/क्रमोन्नतियां की जाएं। जिस पर परिषद ने विश्वविद्यालय में पदोन्नतियां/क्रमोन्नतियां करने के लिए निम्नलिखित समिति का गठन किया :

1– श्री हरीश जनारथा –अध्यक्ष
2– श्री चन्द्र शेखर –सदस्य
3– कुलसचिव –सदस्य
4– श्री तेज राम शर्मा,सदस्य वि0वि0कोर्ट –सदस्य
5– डॉ0 हितेश्वर ठाकुर, अध्यक्ष गैर–शिक्षक कर्मचारी संघ –सदस्य
6– सहायक कुलसचिव(स्था0) –संयोजक

अन्त में बैठक पीठ को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई ।

(आचार्य एम.एल. झारटा)
कुलसचिव
सदस्य–सचिव

पुष्टिकरण

हस्ता0 / –
(आचार्य ए.डी.एन. बाजपेयी)
सभापति / कुलपति